कहीं न कहीं इस तरह का छोटा-बड़ा हादसा होता रहता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि दिल्ली में अवैध भवनों का निर्माण बेखटके, बिना किसी डर या भय से धड़ल्ले से हो रहा है। महोदय, इस पांच मंजिला इमारत का निर्माण भी अवैध ढंग से किया जा रहा था। इस भूखंड पर एक पुराना दो मंजिला मकान था जिसके ऊपर अवैध ढंग से 3 मंजिलें और बनाई जा रही थीं। इसके ऊपर भी एक और मंजिल बन रही थी। कुछ लोगों ने नगर निगम को शिकायत भी की थी मगर कोई कार्रवाही नहीं हुई थी। महोदय, कोटला मुबारकपुर में गिरी इमारत से एक बार फिर साफ हो गया है कि उपराज्यपाल के आदेशों के बावजूद दिल्ली में अवैध निर्माण का सिलसिला जारी है। नगर निगम, दिल्ली प्रशासन और दिल्ली पुलिस के संरक्षण में यह अवैध धंधा जमकर फल फूल रहा है। सुना जाता है कि इसमें कुछ राजनीतिज्ञों का भी संरक्षण है। महोदय, भवन निर्माण संबंधी नियम का खुल्लमखुल्ला मजाक उड़ाया जा रहा है, सरेआम नियम, कानून का उल्लघंन होते हुए भी नगर निगम के इंजीनियर और स्थानीय पुलिस अधिकारी आंखें मूंदकर बैठे हैं। इस प्रकार अवैध निर्माण में सबको हिस्सा दिया हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि साउथ एक्सटेंशन से सटे इलाकों में इन लोगों की लाबी सक्रिय है। वह इन मकानों को खरीदकर शॉपिंग कम्पलेक्स में बदलने की योजना लेकर निर्माण कार्य कर रहे हैं। अगर अवैध निर्माण को नहीं रोका गया तो भविष्य में इसी प्रकार निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। महोदय, मेरा सरकार से कहना है कि इसकी उच्चस्तरीय जांच कराएं तथा इस घटना वाले क्षेत्र से जुड़े नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली पुलिस के विरुद्ध तुरन्त कार्रवाही करें तथा दिल्ली के सभी क्षेत्रों में जहां-जहां अवैध निर्माण कार्य चल रहा उसे रोके तथा वहां पर निर्मित भवन को तोड़ कर गिरादें। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): Before I call the next speaker, Shrimati Jayanti Patnaik, I would like to call the Finance Minister, Shri P, Chidambaram, According to the Revised List of Business, at 2.30 P.M., Shri P. Chidambaram would lay the Budget (Jammu and kashmir) 1996-97; and the Budget (Uttar Pradesh) 1996-97 on the Table of the House.

SHRI SAT1SH AGARWAL (Rajasthan): Mr. Vice-Chairman, Sir, I tried to verify from the Table Office about laying of the Budget (Jammu and Kashmir) 1996-97. What about the Vote on Account? Have we to pass that? Or just the Finance Minister is laying the Budget (Jammu and Kashmir) 1996-97 on the Table.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): I am just laying it.

SHRI SATISH AGARWAL: I would like to know whether the Vote on Account Jammu and Kashmir has been passed. This is just for clarification. After all, Jammu and Kashmir is under President's rule. We are going to hold elections there somewhere in September or October. What about the Vote on Account for Jammu and Kashmir?

SHRI P. CHIDAMBARAM: This was presented to the Lok Sabha this morning; and I am laying a copy of that statement on the Table of this House. If I have to do anything more, I would first do it in the Lok Sabha, then, I would do it here.

THE BUDGET (JAMMU AND KASHMIR) 1996-97

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Mr. Vice-Chairman, Sir, I lay on the Table a statement (in English and Hindi) of the estimated receipts and expenditure of the Government of Jammu and Kashmir for the year 1996-97 (Annual Financial Statement).

THE BUDGET (UTTAR PRADESH) 1996-97

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Mr. Vice-Chairman, Sir, I lay on the Table a statement (in English and Hindi) of the estimated receipts and expenditure of the Government of Uttar Pradesh for the year 1996-97 (Annual Financial Statement) .